हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, शुक्रवार, 28 फरवरी 2025

11 सुराही बनाने में जुटे झज्जर के कारीगर, अभी से मिल रहे आर्डर

12 हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की वार्षिक परीक्षाएं शुरू

खबर संक्षेप

वाहन धोते समय की मारपीट

बहादुरगढ़। गांव डाबोदा कलां में वाहन धोते समय एक ग्रामीण और उसके परिजनों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित कृष्ण कुमार ने बताया कि बुधवार सुबह वह गली में अपनी गाड़ी और बाइक धो रहा था। लेकिन इस दौरान पड़ोसी भूपेंद्र, उसकी पत्नी पूजा, उसके भतीजे तनुज, अनुज व भाभी शर्मिला ने कृष्ण, उसकी मां संतोष व बहन सरीता के साथ मारपीट शुरु कर दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर बीएनएस की धारा 115(2), 296 (बी), 351(3) और 3 (5) के तहत अभियोग दर्ज किया है।

उपभोक्ता कष्ट निवारण फोरम की बैठक आज

बहादुरगढ़। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के उपभोक्ताओं की बिजली और बिल संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए उपभोक्ता कष्ट निवारण फोरम की बैठक शुक्रवार 28 फरवरी को यूएचबीवीएन बहादुरगढ़ के कार्यालय में आयोजित होगी। बैठक में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक उपभोक्ताओं की शिकायतों का निदान किया जाएगा। बैठक के दौरान बहादुरगढ़ मंडल के सभी सब-डिवीजनों के उपभोक्ताओं की बिजली चोरी को छोड़कर बिजली और बिल संबंधी समस्याओं पर सुनवाई होगी। बैठक की अध्यक्षता कार्यकारी अभियंता करेंगे।

ट्रेन से कटकर महिला ने दी जान

बहादुरगढ़। वीरवार की सुबह रेलवे ट्रैक पर एक महिला का शव मिला। महिला द्वारा ट्रेन से कटकर जान देने की बात सामने आई है। पुलिस ने शव नागरिक अस्पताल में रखवा कर पहचान के प्रयास शुरू कर दिए हैं। घटना छोटूराम नगर के पास की है। दरअसल, सुबह करीब साढ़े 11 बजे यहां ट्रैक पर एक महिला का शव देखा गया। सूचना पाकर जीआरपी थाने से टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू। मौके पर लोगों से पूछताछ की लेकिन शिनाख्त नहीं हो सकी। इसके बाद शव को नागरिक अस्पताल में ले जाया गया। जांच अधिकारी राकेश कुमार के अनुसार, मृतका की उम्र करीब 30 वर्ष आंकी जा रही है। प्रथमदृष्टया मामला सुसाइड का प्रतीत होता है। महिला की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

बेरी नपा चुनाव के लिए 14 पोलिंग बूथ स्थापित

झज्जर। रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम रेणुका नांदल ने कहा कि नपा चुनाव को लेकर तैयारियां जोरों हैं। उन्होंने बताया कि बेरी नगर पालिका में कुल 14 वार्डों में 14 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। इन बूथों पर 2 मार्च को सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक अध्यक्ष और पार्षद पदों के लिए मतदान होगा। वहीं शुक्रवार 28 फरवरी को शाम छह बजे चुनाव प्रचार बंद हो जाएगा।

राज्यस्तरीय खो-खो टीम का चयन दो मार्च को

झज्जर। दुर्गा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय महराणा में आगामी दो मार्च को राज्यस्तरीय खो-खो प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। स्कूल संचालक रामचंद्र शर्मा ने बताया कि हरियाणा राज्य खो-खो संघ की तरफ से 44वीं राज्य स्तरीय पुरुष एवं महिला खो-खो प्रतियोगिता चरखी दादरी के आर्य हिंदी संस्कृत महाविद्यालय में होगी। इसके लिए जिले की महिला व पुरुषों की खो-खो टीमों का चयन किया जाएगा। राहुल बूरा एवं सत्येन्द्र शर्मा ने बताया कि राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन आठ व नौ मार्च को होगा। टीम का चयन रामचन्द्र शर्मा, अशोक शर्मा, दिनेश गौतम, अरुण दलाल और कोच नवीन कुमार की देख-रेख में किया जाएगा।

बोर्ड परीक्षाओं को लेकर टेंशन में विद्यार्थी, अभिभावकों को करानी पड़ रही काउंसलिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

बोर्ड परीक्षाओं को लेकर विद्यार्थियों में बढ़ रहे मानसिक दबाव को दूर भगाने को लेकर आजकल अभिभावकों को अपने बच्चों की काउंसलिंग करानी पड़ रही है। स्थानीय नागरिक अस्पताल के अर्श काउंसलर संदीप जांगड़ा ने बताया कि करीब 15 से 20 विद्यार्थी रोजाना उनके पास काउंसलिंग के लिए आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि विद्यार्थी को सदैव सकारात्मक सोच रखनी चाहिए तथा नंबर गेम में उलझना नहीं चाहिए। पढ़ाई के साथ-साथ उसे अपनी पसंदीदा गतिविधियों व चीजों के लिए भी समय निकालना चाहिए, अभिभावकों को भी चाहिए कि वे उसके साथ किसी अन्य छात्र की तुलना न करें तथा अपने बच्चे की पढ़ाई व खेल का समय निर्धारित करें। टाइमटेबल के अनुसार उसे पढ़ने व खेलने के लिए प्रेरित करें तथा नियमित रिविजन भी कराते रहें। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे महत्वपूर्ण टॉपिक्स पर पहले फोकस करें, संतुलित भोजन लें तथा कम से कम छह घंटे की नींद लें। इसके अलावा पढ़ाई के दौरान बीच-बीच में ब्रेक लेते रहें हो सके तो ध्यान व योग भी करें। यदि कोई परेशानी या चिंता हो तो उसे अपने परिजनों के साथ सांझा करें।

पढ़ाई की टेंशन में खाना-पीना भूल रहे बच्चे

संदीप जांगड़ा, जिला अर्श काउंसलर

जिला अर्श काउंसलर संदीप जांगड़ा के अनुसार देखने में आया है कि कई मामलों में पढ़ाई की टेंशन में बच्चे खाना-पीना भी भूल रहे हैं। ऐसे में बच्चों में भूख न लगना, सिर दर्द व चिड़चिड़ेपन की परेशानी आ रही है। उसके बाद अभिभावकों द्वारा बच्चों की काउंसलिंग के लिए सरकारी या निजी केंद्रों का सहारा लेना पड़ रहा है। कई छात्र चिंता, घबराहट और तनाव से गुजर रहे हैं तथा उनके माता-पिता परीक्षा संबंधी तनाव को लेकर उनके पास आ रहे हैं। परीक्षा में अपेक्षित प्रदर्शन न कर पाने की चिंता में विद्यार्थी तनाव में है जिस कारण उनकी दिनचर्या भी प्रभावित हो रही है। इसलिए बच्चों को भी चाहिए कि वे पढ़ाई के दौरान शारीरिक गतिविधियां भी जारी रखें। उन्हें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि पढ़ाई के साथ-साथ स्वस्थ रहना भी जरूरी है।

सरकारी स्कूलों में भी अब प्राइवेट स्कूलों की तर्ज पर दी जाएगी शिक्षा

■ प्राइवेट स्कूल संचालकों से विचार-विमर्श के बाद की जाएगी रूप रेखा तैयार

झज्जर। अब प्रदेश के सरकारी स्कूलों में भी प्राइवेट स्कूलों की तर्ज पर विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान की जाएगी। इसके लिए मौलिक शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रदेश के सभी जिला शिक्षा व जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को पत्र लिख कर जिले के चर्चित निजी स्कूलों के संचालकों व प्रतिनिधियों के साथ जिला शिक्षा अधिकारी या मौलिक शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन करने के निर्देश दिए गए हैं। पत्र में लिखा है कि गठित कमेटी द्वारा संलग्न एजेंडा सूची के मदों के संबंध में मान्यता प्राप्त प्राइवेट स्कूलों की भांति सरकारी स्कूलों में शैक्षणिक, अध्यापक विकास, पाठ्यत्तर गतिविधियों के लिए विचार विमर्श करके एक रूप रेखा तैयार की जाए तथा उसे सरकारी स्कूलों में लागू करने बारे कमेटी अपने सुझाव विभाग को समय-समय पर प्रस्तुत करेगी। जारी पत्र के अनुसार हर तिमारी चर्चित मान्यता प्राप्त प्राइवेट स्कूलों के संचालकों व मालिकों के साथ मीटिंग करना अनिवार्य है।

बैठक में चार पार्षद अनुपस्थित रहे

नप हाउस की बजट मीटिंग में आय व खर्च का ब्यौरा किया पेश

झज्जर। नप हाउस की बैठक में उपस्थित नप चेयरमैन जिले सिंह सैनी, पार्षद एवं नप अधिकारी। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

वीरवार को नगर परिषद हादस की बजट मीटिंग का आयोजन नगर परिषद के चेयरमैन जिले सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुआ। जिसमें कार्यकारी अधिकारी के के यादव ने आय व खर्च का ब्यौरा पेश किया। मीटिंग में सबसे पहले वार्ड नंबर 13 से दिवंगत पार्षद हिमांशु शर्मा की आत्मा की शांति के लिए मौन रखा गया। बाद में मीटिंग की कार्रवाई शुरू की गई। मीटिंग में 19 पार्षदों में से चार पार्षद अनुपस्थित रहे, जबकि 15 पार्षदों ने मीटिंग में भाग लिया। ईओ केके यादव ने बताया कि मौजूदा वित्त वर्ष में नप के पास 34 करोड़ 88 लाख 9 हजार 830.11 रुपये राशि शेष बची हुई है, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 39 करोड़ 81 लाख 40 हजार 600 रुपये प्रस्तावित आय रखी गई है। दोनों को मिलाकर यह राशि 74 करोड़ 69 लाख 50 हजार 430.11 रुपये बनती है। वित्त वर्ष 2025-26 में 39 करोड़ 28 लाख 71 हजार रुपये का खर्चा निर्धारित किया गया है, जबकि 31 मार्च 2026 को नगर परिषद के खजाने में 35 करोड़ 40 लाख 79 हजार 430.11 रुपये शेष बच जाएंगे। इसके अलावा वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 14 करोड़ 37 लाख रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। जिससे शहर में विभिन्न विकास कार्य करवाए जाएंगे।

पिछली बैठक की पुष्टि पर ही अटक गई नगर परिषद की बैठक

■ शुक्रवार को भी बैठक की कार्रवाई जारी रहेगी, एजेंडा पूरा होने के बाद हो पाएगी बजट बैठक

बहादुरगढ़। एक साल के लंबे इंतजार के बाद वीरवार सुबह शुरू हुई बहादुरगढ़ नगर परिषद की सामान्य बैठक करीब सवा 5 घंटे चलने के बाद भी एजेंडे पर कोई चर्चा नहीं हुई। पिछली बैठक के कार्यों की पुष्टि पर बैठक अटक गई। अधिकांश पार्षदों ने पहले पारित प्रस्तावों की प्रगति पर प्रधान व अधिकारियों को घेरा। शुक्रवार को भी पिछली बैठक की पुष्टि का क्रम जारी रहेगा। फिर एजेंडे के मुद्दों पर चर्चा होगी। उसके बाद ही बजट बैठक होगी। प्रधान सरोज राठी की अध्यक्षता में हुई बैठक में ईओ संजय रोहिल्ला, सचिव प्रवीन छिकारा, एमई राजेश कौशिक आदि मौजूद रहे। पार्षद ज्योति राठी और सरिता को छोड़कर शेष पार्षद बैठक में मौजूद रहे। साल भर से विकास कार्य अवरुद्ध होने से नाराज पार्षद बैठक में वीरवार को बैठक शुरू होते ही अपना रुद्र रूप दिखा दिया। सुबह साढ़े 11 बजे बैठक शुरू हुई। शाम पौने 5 बजे स्थगित हुई। लेकिन इस दौरान पहले ही एजेंडे पर गतिरोध बना रहा। सामान्य बैठक में एजेंडे के अनुसार सबसे पहले पिछली बैठक की पुष्टि होनी थी। पार्षदों ने इस पर ही हंगामा खड़ा कर दिया। पिछली बैठकों में पारित प्रस्तावों की प्रगति को लेकर सवाल पूछे। पार्षद जितेंद्र राठी ने विकास कार्यों के साथ ही फर्जी एनडीसी आदि मुद्दों पर चेयरपर्सन व अधिकारियों को घेरा। वार्ड नंबर-13, 15, 21, 25 व 26 के पार्षदों ने भेदभाव का आरोप लगाते हुए प्रधान से जवाब मांगा। रमन यादव और संदीप दहिया ने भी कई मामलों पर सवाल उठाए। पार्षद मनीषा धनखड़ ने नाला निर्माण नहीं होने पर अनशन की चेतावनी दी।

शुक्रवार को भी पिछली बैठक की पुष्टि का क्रम जारी रहेगा। फिर एजेंडे के मुद्दों पर चर्चा होगी। पिछली बैठक की पुष्टि होने के बाद सब कमेटियों का गठन होगा। सरकार द्वारा प्राप्त पत्रों पर चर्चा होगी। अधिकारियों, पार्षदों व आमजन से प्राप्त पत्रों पर विमर्श होगा। शहर के सभी नालों की सफाई का टेंडर छोड़ने, लावारिस पशुओं को पकड़ने का टेंडर छोड़ने और पीडब्ल्यूडी के नालों का हैंडओवर लेकर उनकी सफाई का टेंडर लगाने पर चर्चा होगी। परनाला गांव की शामलात भूमि खरीदने और शहर के सामुदायिक केंद्र लीज पर देने पर निर्णय लिया जाएगा। दिल्ली रोहतक रोड पर लाइटों के खंभे सेंटर्ल वर्ज पर शिफ्ट करने का प्रस्ताव भी बैठक में रखा जाएगा। पार्कों में शौचालयों का निर्माण करने और शामलात भूमि की तारबंदी करने के अलावा प्रधान की अनुमति से कई अन्य प्रस्ताव बैठक में रखे जाएंगे। सामान्य बैठक के एजेंडे पूरे होने के बाद ही बजट बैठक हो पाएगी।

बहादुरगढ़। वीरवार को नगर परिषद की बैठक में चर्चा करते पार्षद व अधिकारी। फोटो :हरिभूमि

निराश नजर आए पार्षद

बोर्ड की पिछली बैठक चेयरपर्सन सरोज राठी की अध्यक्षता में 15 जनवरी 2024 को हुई थी। जबकि उससे पिछली सामान्य बैठक 13 मई 2023 को हुई थी। हालांकि बीते एक साल के दौरान 7 मार्च 2024 को बजट की विशेष बैठक हुई थी। एक साल से अधिक समय तक नगर परिषद की सामान्य बैठक नहीं होने से पार्षदों में निराशा दिखी।

यातायात पुलिस ने रेलवे रोड पर अतिक्रमण हटवाया

बहादुरगढ़। रेलवे रोड पर दुकानदारों को चेतावनी देते एसीपी दिनेश कुमार।

■ एसीपी दिनेश कुमार ने सड़क पर सामान रखने व अवैध पार्किंग करने वालों को चेताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के इरादे से यातायात पुलिस की टीम ने एसीपी दिनेश कुमार के नेतृत्व में वीरवार को रेलवे रोड पर कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटाया। उन्होंने दुकानदारों को चेताया कि वे सामान दुकान के भीतर ही रखें, अतिक्रमण करने से बचें। अन्यथा उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

एसीपी दिनेश कुमार ने बताया कि बहादुरगढ़ में रेलवे रोड पर यातायात व्यवस्था को लेकर आमजन की काफी शिकायत आ रही थी। इस संबंध में पुलिस उपायुक्त के दिशानिर्देश अनुसार पुलिस द्वारा वीरवार को कार्रवाई की गई। बहादुरगढ़ शहर के लोगों को जाम की स्थिति से निजात दिलाने के लिए यह कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस ने रेलवे रोड से नो पार्किंग में खड़े वाहनों को हटाया और दुकानदारों को सफेद पट्टी से आगे कोई भी सामान रखने पर कार्यवाही करने की चेतावनी भी दी। उन्होंने वाहन चालकों को यातायात के नियमों के प्रति जागरूक भी किया। उनके अनुसार यातायात पुलिस प्रयासरत है कि आमजन को यातायात संबंधी किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। शहर के लोगों को अतिक्रमण और जाम जैसी समस्याओं से मुक्ति दिलाने के लिए यातायात पुलिस सक्रियता से काम करेगी। इस दौरान यातायात प्रबंधक विकास कुमार के साथ सड़क सुरक्षा संगठन के सदस्य भी मौजूद रहे।

पढ़ाई के दौरान अल्प विश्राम जरूर लें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

सरला मलिक छिल्लर

सीबीएसई की परीक्षाएं जारी हैं। ऐसे में विद्यार्थी दिन-रात परीक्षा की तैयारी में जुटे हैं। शिक्षाविद भी परीक्षा की तैयारियों को लेकर विद्यार्थियों को अलग-अलग टिप्स दे रहे हैं। अध्यापिका सरला मलिक छिल्लर के अनुसार पढ़ाई करने के लिए शांत जगह का चुनाव करना बहुत जरूरी है। पढ़ाई करते समय थकान महसूस करें तो एक अल्प विश्राम जरूर लें। परीक्षा केंद्र में जाने से पूर्व स्वयं को प्रोत्साहित करें। अपना कोर्स समय रहते पढ़ लें और उसका रिविजन भी कम से कम एक दिन पहले ही पूरा कर लें। ऐन वक्त तक पढ़ते रहने से तनाव बढ़ता है। रेखाचित्र और नक्शे का नियमित अभ्यास करें। बोर्ड परीक्षा से पहले सभी विषयों के सेंपल पेपर का अध्ययन करे। परीक्षा की पूर्व रात्रि को समय से सो जाएं। कम से कम सात से आठ घंटे की नींद स्वस्थ और शांत मस्तिष्क के लिए आवश्यक है। परीक्षा वाले दिन सुबह जल्द उठकर एक बार पुनः महत्वपूर्ण विषयों पर दृष्टि जरूर डाले। परीक्षा भवन में जाने से पूर्व प्रवेश पत्र तथा अन्य सामग्री जांच ले।

रेखाचित्र के माध्यम से किया महान वैज्ञानिक सीवी रमन को नमन

झज्जर। क्षेत्र के गांव भदाना की चौपाल में भूगोल प्राध्यापक मुकेश शर्मा व अंशुल शर्मा ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर महान वैज्ञानिक सीवी रमन का विशाल रेखाचित्र बनाया। मुकेश शर्मा ने बताया कि 28 फरवरी के दिन ही हमारे देश के महान वैज्ञानिक सीवी रमन द्वारा एक खोज की गई थी। सीवी रमन को इस खोज के लिए भौतिकी विज्ञान के क्षेत्र में 1930 में नोबेल पुरस्कार दिया गया। इस चौपाल रंगोली में पूर्व सैनिक देवीदत्त शर्मा, सूबेदार सुभाष शर्मा, रमेश कौशिक, नसीब कौशिक, अनिल कौशिक, वेदपाल कौशिक, राधेश्याम कौशिक, देवेंद्र वशिष्ठ, केशव शर्मा, अर्जुन शर्मा,

बेरी में अवैध कॉलोनी काटने मामले में जिला प्रशासन ने की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

जिला प्रशासन ने बेरी तहसील में भू-माफियाओं द्वारा काटी जा रही अवैध कॉलोनी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए संबंधित खसरा नंबरों पर जमीन की बिक्री व खरीद पर तुरंत प्रभाव से रोक लगा दी है। जिला नगर योजनाकार द्वारा पत्र के अनुसार बेरी खास गांव में में बगैर लाइसेंस/सीएलयू/एनओसी के अवैध कॉलोनी विकसित करने का कार्य किया जा रहा है। भू-माफियाओं द्वारा अवैध तरीके से कॉलोनी विकसित करने के कार्य के खिलाफ प्रभावी कदम उठाए गए हैं।

मौसम

सुबह-शाम ठंड और दिन में तेज धूप से बढ़ रही मरीजों की समस्या

मौसम में उतार चढ़ाव कर रहा लोगों को बीमार

■ नागरिक अस्पताल व निजी अस्पतालों में सर्दी, खांसी, बुखार से पीड़ित मरीज भारी संख्या में पहुंच रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। नागरिक अस्पताल में लगी इलाज करवाने वालों की कतार। फोटो :हरिभूमि

भले ही दिन में धूप निकलने से मौसम में गर्माहट हो रही हो। लेकिन सुबह-शाम पड़ने वाली ठंड ने आमजन की परेशानी को बढ़ा रखा है। बीमारियों से बचने के लिए चिकित्सकों ने इस दौरान अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी है। दिन में निकली धूप गर्मी बढ़ा रही है, तो मौसम के करवट बदलने के बाद हो रही बूंदाबांदी से ठंड का एहसास बढ़ा है। इन दिनों वायरल मरीजों की संख्या बढ़ी है। नागरिक अस्पताल व निजी अस्पतालों में सर्दी, खांसी, बुखार से पीड़ित मरीज भारी संख्या में पहुंच रहे हैं। इसके अलावा श्वास, दमा, एलर्जी, जुकाम मरीज भी अस्पताल पहुंच रहे हैं। वीरवार को बहादुरगढ़ और आसपास में बूंदाबांदी के साथ ठंड महसूस हुई। हालांकि इस दौरान दोपहर में तेज धूप के कारण गर्मी का एहसास भी हो रहा है। डाक्टरों का कहना है कि मौसम में हो रहे चढ़ाव उतार से बीमारियों का भी खतरा बढ़ सकता है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि धूप के बाद बढ़ी ठंड का फसलों पर अच्छा प्रभाव अच्छा रहेगा। नमी के साथ धूप मिलने से फसलों में ताकत मिलेगी। वहीं डाक्टरों का मानना है कि मौसम में हो रहे बदलाव से बीमार होने का खतरा बढ़ रहा है। कभी धूप और फिर अचानक से ठंड पड़ने से मौसम शरीर के लिए अनुकूल नहीं है। तमाम तरह की सावधानी बरतने से वायरल बीमारियों से बचाव हो सकता है। डॉ सुखपाल धारीवाल के अनुसार इन दिनों वायरल से पीड़ित रोगियों की संख्या बढ़ रही है। इसका कारण अधिकतम और न्यूनतम तापमान के बीच अधिक अंतर आना है। उनके अनुसार सुबह शाम हल्के गर्म कपड़े जरूर पहने। सर्द हवा की वजह से सेहत खराब हो सकती है।

अस्पताल में पानी को भी तरसे मरीज व तिमारदार

बहादुरगढ़। नागरिक अस्पताल के जच्चा बच्चा वार्ड में एडमिट मरीजों को इन दिनों खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल में पिछले 5 दिन से पानी नहीं है। जिसकी वजह से अस्पताल के बाथरूम में गंदगी पसरी पड़ी है। इतना ही नहीं मरीजों को पीने का पानी भी उपलब्ध नहीं हो रहा है। अस्पताल प्रबंधन से पानी उपलब्ध करवाने की मांग की है। जी हां, बहादुरगढ़ के नागरिक अस्पताल में मरीजों को मूलभूत सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हो रही है। यहां पिछले 5 दिन से ना तो पीने का पानी है और ना ही बाथरूम में पानी की सप्लाई आ रही है। जिसकी वजह से यहां गंदगी पसरी पड़ी है। मरीजों ने इसकी शिकायत अस्पताल प्रबंधन से भी की। मगर इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया गया। अस्पताल में एडमिट मरीज और तीमारदारों का कहना है कि यहां रुकना बेहद मुश्किल हो रहा है। साफ सफाई के लिए भी पानी उपलब्ध नहीं है। हाथ धोने और पीने के पानी के लिए भी उन्हें तरसना पड़ रहा है। शिकायत के बावजूद समस्या के समाधान की दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से मरीज व तिमारदार निराश हैं। इस मामले में अस्पताल प्रबंधन की तरफ से कोई जवाब भी नहीं दिया गया है।

बच्चों, तुम कहानियां, कॉमिक्स या मैग्जींस तो पढ़ते ही होगे। अगर तुम्हें ऐसी किताबें पढ़ने के साथ-साथ साइंस में भी रुचि है तो विज्ञान कथाएं यानी साइंस फिक्शन भी पढ़ो, तुम्हें खूब मजा आएगा। विज्ञान कथाएं तुम्हें रहस्य-रोमांच की एक अलग ही दुनिया में ले जाएंगी। आज साइंस-डे के मौके पर जानो, साइंस फिक्शन से जुड़ी कुछ रोचक बातें।

रहस्य-रोमांच से भरपूर साइंस फिक्शन

स्पेशल स्टोरी / शिखर चंद जैन

बच्चों, विज्ञान कथाएं यानी साइंस फिक्शन पढ़ने का अपना अलग ही रोमांच है। कहने को तो ये काल्पनिक कथाएं होती हैं, लेकिन इनमें सिर्फ ऐसी कल्पनाएं नहीं होतीं, जो बिल्कुल ही निराधार हों, इनका साकार होना संभव न हो। दुनिया में इंसान के लिए बहुत से ऐसे उपयोगी आविष्कार हुए हैं, जो विज्ञान कथाओं से प्रेरित हैं। सक्षम और अनुभवी विज्ञानकथा लेखकों ने तकनीक, फैंटेसी और भविष्य की कल्पना का ताना-बाना बुनकर ऐसी बहुत सी रोचक विज्ञान कथाएं लिखी हैं, जो पूरी दुनिया के बच्चों को ही नहीं, बड़ों को भी खूब पसंद आई हैं।

क्या हैं विज्ञान कथाएं

विज्ञान कथाएं अकसर भविष्य की कल्पना करके लिखी जाती हैं। जैसे आने वाले समय में मनुष्य कौन-सी नई तकनीक इस्तेमाल कर सकता है, यातायात, संचार, रहन-सहन और सुख-सुविधाओं के लिए कैसे उपकरणों का उपयोग किया जा सकता है? ये कहानियां वास्तविक दुनिया से बहुत अलग होती हैं। लेकिन इन्हें असंभव या सिर्फ एक कल्पना कहकर हवा में नहीं उड़ाया जा सकता। इन विज्ञान कथाओं में ग्रहों के तरह-तरह के जीवों, अंतरिक्ष में मनुष्य के सुगमता पूर्वक रहने की कल्पना की जाती है। अलग-अलग विज्ञान कथा लेखकों ने चिकित्सा की नवीनतम प्रणालियों, यातायात के अद्भुत साधन, नई संचार प्रणालियों की कल्पना बहुत पहले की है, जो आज साकार हैं।

कहां से आया 'साइंस फिक्शन' टर्म

ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी के अनुसार सबसे पहले 'साइंस फिक्शन' या 'विज्ञान कथा' शब्द का प्रयोग 1851 में हुआ था। विलियम विल्सन ने इसे अपनी संकलित कविताओं की पुस्तक 'अ लिटिल अर्नेस्ट बुक अपॉन ए ग्रेट ओल्ड सब्जेक्ट' में इस्तेमाल किया था। आधुनिक समय में 'साइंस फिक्शन' शब्द को प्रचलित करने का श्रेय ह्यूगो जर्न्स बैक को जाता है। उन्होंने 1926 में विज्ञान कथाओं की पत्रिका 'अमेजिंग स्टोरीज' शुरू की थी। 1930-40 तक 'साइंस फिक्शन' शब्द बहुत लोकप्रिय हो चुका था।

तरह-तरह की विज्ञान कथाएं

विज्ञान कथाएं यानी साइंस फिक्शन कई तरह के होते हैं। मोटे तौर पर लोग इन्हें दो शैलियों में विभाजित करते हैं- हार्ड और सॉफ्ट विज्ञान कथाएं। हार्ड साइंस फिक्शन विज्ञान सम्मत सच्चे तथ्यों और सिद्धांतों पर आधारित होती हैं। इनमें फिजिकल साइंस, एस्ट्रोलॉजी और केमिस्ट्री का प्रयोग रहता है। इनमें बताया जाता है कि आने वाले दिनों में मनुष्य कई उन्नत तकनीकें विकसित कर लेगा। कई हार्ड साइंस फिक्शन लेखक तो पेशेवर वैज्ञानिक रहे हैं। उनकी कई कल्पनाओं ने बखूबी मूर्त रूप लिया और नए आविष्कारों का आधार बनीं। सॉफ्ट साइंस फिक्शन मनोविज्ञान, पॉलिटिकल साइंस, इकोनॉमिक्स, न्यूरो साइंस और सोशियोलॉजी से आइडिया लेती हैं। ये कहानियां ज्यादातर भावनाओं और कैरेक्टर्स पर आधारित होती हैं। सामाजिक और सॉफ्ट विज्ञान कथाएं काफी हद तक काल्पनिक होती हैं। अलौकिक विज्ञान कथाओं में अद्भुत क्षमता संपन्न मनुष्यों की कल्पना और सुपरमैन जैसे पात्रों की कल्पना की जाती है। स्पेस ओपेरा में अंतरिक्ष पर दूसरे ग्रहों की दुनिया पर आधारित कहानी होती हैं। वहीं टाइम ट्रैवल में ऐसा कथानक बुना जाता है, जो किसी पात्र को अचानक बहुत समय बाद के कालखंड में मौजूद दिखाता है।

कई आविष्कारों की प्रेरणा हैं विज्ञान कथाएं

विज्ञान कथाएं कई उपयोगी आविष्कारों की प्रेरणा बन चुकी हैं, ऐसा खुद आविष्कारकों और वैज्ञानिकों ने स्वीकार किया है। जूल्स बर्न का विज्ञान उपन्यास 'रॉबर द कंकरर', जिसका दूसरा नाम है 'क्लिपर ऑफ द क्लाउड्स' में उड़ान भरने वाली मशीन अल्बाट्रॉस का विवरण है। इससे प्रेरित होकर अमेरिकी विशेषज्ञ आई गौर सिकोर्सकी ने हेलीकॉप्टर डिजाइन किया। रॉकेट की प्रेरणा अमेरिकी वैज्ञानिक रॉबर्ट गोडर्ड को ब्रिटिश विज्ञान कथा लेखन एचजी वेल्स की पुस्तक 'द वॉर ऑफ वर्ल्ड' से मिली। ह्यूमनायड रोबोट की प्रेरणा जापान के रोबोट विज्ञानी टोमोटाका ताकहासी को 'एस्ट्रोबॉय' कॉमिक्स से मिली । WWW यानी वर्ल्ड वाइड वेब का आइडिया ऑथर सी क्लार्क की शॉर्ट स्टोरी 'डायल एफ फॉर फ्रैंकस्टीन' से मिला, ऐसा खुद इन वैज्ञानिकों ने स्वीकार किया है। *

पहली विज्ञान कथा

दुनिया की पहली विज्ञान कथा 1616 में जर्मन लेखक जोहान वेलेंटीन एंड्रिए लिखित उपन्यास 'द केमिकल वेडिंग' को माना जाता है। इस उपन्यास की कहानी एक ऐसे व्यक्ति की है, जिसे एक पंख वाली महिला की रहस्यमयी शाही शादी में आमंत्रित किया जाता है। भारत में विज्ञान कथाओं की विधिवत शुरुआत 1896 से मानी जाती है। प्रसिद्ध वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस ने 1896 में बांग्ला भाषा में 'आगोश' और 'पलातक तूफान' के नाम से विज्ञान कथाएं लिखी थीं। कुछ लोग 1905 में रुकेया शेखावत हुसैन द्वारा लिखित 'सुल्तान का सपना' को पहली विज्ञान कथा मानते हैं, जो 'द इंडियन लेडीज' मैगजीन में छपी थी। हालांकि 1882 में विज्ञान दर्पण में हेमलाल दत्त की कहानी 'रहस्य', 1884 में पंडित अंबिका दत्त व्यास द्वारा लिखित 'आश्चर्य वृतांत', 1892 में जगदानंद राय द्वारा लिखित 'शुक्र भ्रमण' शुरुआती विज्ञान कथाएं मानी जाती हैं। विज्ञान कथा या साइंस फिक्शन शब्द का प्रयोग भले ही बाद में शुरू हुआ हो लेकिन विज्ञान कथाएं बहुत पहले से किसी ने किसी रूप में लिखी-पढ़ी जाती रही हैं।

स्पेस के नजारे दिखाते प्लेनेटोरियम

बच्चों, अगर तुम्हें खगोल विज्ञान मतलब कि सूर्य, चंद्रमा और तारों से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी चाहिए तो तारामंडल में जाकर ले सकते हो। ये तारामंडल अपने देश में कहां-कहां हैं? यहां जाकर तुम कैसे खगोल विज्ञान से जुड़ी जानकारी रोचक, सरल ढंग से पा सकते हो, जानो।

जानकारी

प्लेनेटोरियम को हम हिंदी में ताराघर या तारामंडल भी कहते हैं। वास्तव में यह एक ऐसा भवन होता है, जहां लोगों को खगोल विज्ञान से जुड़ी ज्ञानवर्धक जानकारियां मनोरंजक ढंग से दी जाती हैं।

ऐसा बना होता है तारामंडलः आमतौर पर तारामंडल में गुंबद के आकार की छत होती है, इसके इर्द-गिर्द दर्शकों के बैठने के लिए स्टेडियम के तरह का हॉल होता है। इस विशेष हॉल में एक प्रोजेक्टर गुंबददार छत पर उभर रही छवियों पर रोशनी डालकर उन्हें चमकाता है। इन छवियों से संबंधित जरूरी जानकारियां वहां बैठे लोगों को कमेंट्री करके दी जाती है।

कोई निश्चित आकार नहीं होताः तारामंडल का कोई निश्चित आकार नहीं होता, लेकिन जिसे दुनिया का प्लेनेटोरियम नंबर वन कहा जाता है, वह तारामंडल रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में स्थित है। इसके गुंबद का आकार 37 मीटर है।

भारत में कितने हैं तारामंडलः भारत में 30 तारामंडल हैं। इनमें चार सबसे मशहूर हैं, जो क्रमशः मुंबई, नई दिल्ली, बैंग्लुरु और प्रयागराज में स्थित हैं। जहां तक देश के पहले एमपी बिड़ला ताराघर की बात है, यह सितंबर 1962 में कोलकाता में शुरू हुआ था।

देते हैं खगोलीय पिंडों की जानकारीः बच्चों, जब इन तारामंडलों में लोग अंधेरे में बैठकर गुंबद की ओर देखते हैं, तो ऐसा आभास होता है, जैसे हम किसी खुले स्थान में बैठे हुए आकाश की छटा देख रहे हों। यहां विभिन्न ग्रह-उपग्रह और तारे चलते हुए प्रतीत होते हैं। खगोलीय पिंडों के विषय में जानकारी प्रदान करने वाले ये बड़े ही उपयोगी तारामंडल हैं। इनके जरिए सूर्य, चंद्रमा और तारों की आकाश में होने वाली वार्षिक गतिविधियों को बहुत अच्छी तरह से चंद मिनटों में देखा और समझा जा सकता है।

ऐसे हैं आधुनिक तारामंडलः आधुनिक तारामंडलों (प्लेनेटोरियम) में स्लाइड दिखलाने वाले प्रोजेक्टर लगे रहते हैं। इनके द्वारा अंतरिक्ष यात्राओं और दूसरे ग्रहों पर उतरने के दृश्य भी दिखलाए जाते हैं।

बढ़ता जा रहा है महत्वः तारामंडलों का महत्व अंतरिक्ष संबंधी ज्ञान बढ़ने के साथ ही बढ़ता जा रहा है। प्रदूषण, बादल, कुहरे आदि के कारण आकाश में किसी ग्रह या तारे का पता लगाना बहुत कठिन होता है, लेकिन इन्हें हम तारामंडल में सरलता से देख सकते हैं। उनकी स्थिति, विवरण और गति आदि की पूरी जानकारी भी हमें मिल जाती है। प्लेनेटोरियम की रचना बहुत ही जटिल होती है। इसमें बहुत से लेंस, प्रिज्म और दर्पण लगे होते हैं। अमेरिका के सैनफ्रांसिस्को शहर में स्थित प्लेनेटोरियम में लगभग 25,000 छोटे-बड़े यंत्र हैं। इस प्रोजेक्टर का वजन लगभग 2.5 टन है। सबसे पहला प्लेनेटोरियम जीज ऑप्टिकल कंपनी, पूर्वी जर्मनी के वाल्टर ने 1923 में बनाया था। आज संसार के सभी देशों में बड़े-बड़े शहरों में प्लेनेटोरियम बने हुए हैं, जिनसे दर्शक अपने ज्ञान की वृद्धि करते हैं। *

प्रस्तुति : एफएमएन

तुम्हारे लिए नई किताब

समीर गांगुली

मशीनों का सत्याग्रह

बच्चों, पहले कुछ बड़े बच्चों यानी किशोर पाठकों के लिए हिंदी में स्तरीय विज्ञान कथाएं पढ़ने को कम मिलती थीं, लेकिन अब लिखी जा रही हैं। इन्हीं विज्ञान कथाओं में आया है नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित एक रोचक विज्ञान फैंटेसी उपन्यास 'मशीनों का सत्याग्रह'। इसके लेखक हैं सूर्यनाथ सिंह, जिन्हें इससे पहले 'कौतुक एप' नामक साइंस फिक्शन यानी विज्ञान कल्प कथा पर साहित्य अकादमी का बाल साहित्य पुरस्कार मिल चुका है। 'मशीनों का सत्याग्रह' में एआई यानी आर्टिफिशियल इंटलीजेंस युक्त रोबोट्स द्वारा संचालित और नियंत्रित भविष्य की अतिविकसित दुनिया की रोमांचक कहानी है। सोचो जरा, अगर ये इंटेलीजेंट रोबोट्स एक दिन सामूहिक रूप से विद्रोह पर उतर आए तो दुनिया का क्या हाल होगा? उपन्यास की शुरुआत बाइसवीं सदी के पहले दिन नए वर्ष के उत्सव और उल्लास के माहौल से होती है। उस दौर के भविष्य की कल्पना बहुत ही रोचक अंदाज में करने के साथ ही उस समय के पर्यावरण की स्थिति को भी इसमें दिखाया गया है। सबसे अधिक रोमांच तो तब होता है, जब उत्सव के उस माहौल में अचानक खबर आती है कि रोबोट्स सत्याग्रह करते हुए सड़कों पर उतर आए हैं। फिर क्या होता है, जानने के लिए तुम्हें यह उपन्यास पढ़ना होगा। बच्चों, लेखक ने इस बात का ध्यान रखा है कि तुम तकनीकी शब्दावली और टेक्नोलॉजी की जटिलता में न उलझ कर एक रोमांचक कहानी का मजा लो। बच्चों, इसे तुम नेशनल बुक ट्रस्ट के पोर्टल या ऑनलाइन या फिर नेशनल बुक ट्रस्ट के किसी स्टोर से खरीद सकते हो। *

किताबः मशीनों का सत्याग्रह, **लेखकः** सूर्यनाथ सिंह,
मूल्यः110 रुपए, **प्रकाशकः** नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली

विज्ञान कथा

जाकिर अली 'रजनीश'

करम के दिमाग में एक दिन आया कि क्यों न वह एक ऐसा रोबोट बनाए, जो उसका होमवर्क कर दिया करे। बाजार से सारे कल-पुर्जे मंगवा कर करम ने एक रोबोट बना भी लिया, लेकिन जब उसने रोबोट से होमवर्क के सवाल करने को कहा तो उसने कोई रेस्पॉन्स नहीं दिया। रोबोट ने करम का होमवर्क क्यों नहीं किया?

इससे तो अच्छा...

अखबार में रोबोट का विज्ञापन देखकर करम के दिमाग में एक विचार कौंधा, 'क्यों न एक ऐसा रोबोट बनाया जाए, जो मेरा होमवर्क कर दिया करे।'

यह सोचकर करम रोमांचित हो उठा। अपनी सोच को अमलीजामा पहनाने के लिए उसने कंप्यूटर की मदद ली। उसने इस विषय की किताबें खोज-खोज कर पढ़ीं। कई किताबों को पढ़ने के बाद करम को विश्वास हो गया कि वह भी रोबोट बना सकता है। मन में यह विश्वास आते ही वह अम्मी के पास पहुंचा। वह उस समय बेड पर बैठीं टीवी देख रही थीं। करम उनसे बहुत प्यार से बोला, 'अम्मीजान, मैं एक रोबोट बनाना चाहता हूं।'

'अरे वाह, यह तो बहुत अच्छी बात है!' अम्मी ने रोमांचित होकर पूछा, 'लेकिन बेटा, क्या तुम रोबोट बना पाओगे?'

'हां अम्मी, बस कुछ रुपयों की जरूरत पड़ेगी।' करम ने पूरे विश्वास के साथ जवाब दिया। 'ठीक है, लेकिन इससे तुम्हारी पढ़ाई नहीं डिस्टर्ब होनी चाहिए।' अम्मी ने आगाह किया।

'जी अम्मी, आप मुझ पर यकीन करें। मैं अपनी स्टडी बिल्कुल भी डिस्टर्ब नहीं होने दूंगा।' करम ने वादा किया। अम्मी को मालूम था कि करम धुन का पक्का है। वह जो ठान लेता है, करके ही मानता है। इसलिए उन्होंने उसे जरूरत के मुताबिक रुपए दे दिए। करम ने अम्मी का शुक्रिया अदा किया और अपने काम में लग गया।

सबसे पहले करम ने गूगल से रोबोट के कल-पुर्जे बनाने वाली दुकान का पता खोजा, फिर अपनी जरूरत का सामान ऑर्डर कर दिया। रोबोट के कल-पुर्जे वाली दुकान करम के शहर में थी। शाम तक करम का सारा सामान घर पर आ गया। करम ने अपने स्टडी रूम को प्रयोगशाला में बदल दिया और रोबोट बनाने में जुट गया। इस काम में उसे काफी मेहनत करनी पड़ी। जहां कहीं पर वह अटकता, गूगल की मदद ले लेता। इस तरह उसकी समस्या हल हो जाती। वह फिर से अपने काम में जुट जाता।

अंततः करम की मेहनत रंग लाई। उसका रोबोट तैयार हो गया। अपनी इस सफलता पर करम फूला नहीं समाया। उसने रोबोट का नाम रखा-रेंचो ।

करम का रोबोट देखकर अम्मी-अब्बा गदगद हो उठे। उन्होंने दिल खोल कर करम की तारीफ की। करम ने अपने दोस्तों को घर बुला कर अपना रोबोट दिखाया। उसके सारे दोस्त भौंचक्के रह गए। सुमित बोला, 'क्या यह सचमुच में होमवर्क के सवाल हल कर पाएगा?'

'क्यों नहीं!' करम मुस्कुराया। उसने रोबोट को आदेश दिया, 'रेंचो, मुझे होमवर्क में जो सवाल हल करने को मिले हैं, उन्हें करके दो।'

रोबोट शांत खड़ा रहा। जैसे उसने करम की बात सुनी ही न हो। यह देखकर करम के दोस्त मुस्कुराने लगे। करम ने रोबोट को दुबारा आदेश दिया, 'रेंचो, तुमने सुना नहीं? मेरा होमवर्क करो।'

लेकिन रोबोट इस बार भी कुछ नहीं बोला। उसके पेट पर लगी स्क्रीन पर कोई संदेश उभर रहा था, लेकिन करम ने उस पर ध्यान नहीं दिया। उसने गुस्से में रोबोट के गाल पर एक झापड़ रसीद कर दिया।

रोबोट लोहे का बना हुआ था। इसलिए करम का हाथ झन्ना गया। वह हाथ पकड़कर बैठ गया और रोबोट को बुरा-भला कहने लगा। तभी करम के अब्बा वहां आ गए। वह बोले, 'यह क्या कर रहे हो बेटा? तुम अपना गुस्सा रोबोट पर क्यों उतार रहे हो?'

'अब्बा, यह मेरा कहना नहीं मानता।' करम गुस्से में बोला।

अब्बा बोले, 'इसमें इसकी क्या गलती?'

'गलती क्यों नहीं है अब्बा?' करम ने सवाल किया,'मैंने आखिर इसे होमवर्क करने के लिए ही तो बनाया है?'

'हां, पर तुमने सिर्फ एक लोहे का ढांचा बनाया है। अगर तुम चाहते हो कि यह सवाल भी हल करे, तो तुम्हें इसके मस्तिष्क में प्रोग्राम करके गणित के सूत्र भी डालने होंगे और यह एक मुश्किल काम है।' अब्बा ने करम को समझाया।

'यह तो मुश्किल काम है।' करम ने बुझे मन से पूछा, 'इसमें कितना समय लगेगा?'

'इसमें दो-तीन साल भी लग सकते हैं। इसके लिए तुम्हें प्रोग्रामिंग सीखनी होगी, सवालों के सूत्रों को कोड में बदलना होगा, फिर उन्हें रोबोट के मस्तिष्क में...।' अब्बा ने बताया।

करम अब्बा की बात बीच में ही काटते हुए बोला, 'इससे तो अच्छा है कि मैं अपने सवाल खुद ही हल कर लूं।'

तभी करम की आंख खुल गई। यह क्या? क्या वह सपना देख रहा था? हां, वह तो मेज पर सिर रख कर सो गया था। शायद अम्मी के पैरों की आहट सुनकर उसकी नींद टूटी थी।

उसी समय अम्मी वहां आ गईं, बोलीं, 'क्या सोच रहे हो बेटा?'

'ज... जी कुछ नहीं।' करम चौंकते हुए बोला और फिर सवाल सॉल्व करने में व्यस्त हो गया। *

कविता

अखिलेश श्रीवास्तव 'चमन'

मानव शरीर

भैया यह मानव शरीर है
चलती-फिरती मशीन।
भांति-भांति के लगे हैं पुर्जे
काम हैं जिनके बड़े महीन।
जैसे भवन बना करते
ढेरों ईंटों के मेल से।
वैसे बना शरीर हमारा
छोटे-छोटे सेल से।
पेट हमारी भट्ठी जिसमें
खाद्य पदार्थ जला करते।
अम्ल, क्षार और रस में घुलकर
हर कोशिका को मिला करते।
जैसे कि पंपिंग मशीन
हर घर में जल पहुंचाता है।
वैसे ही सारे अंगों में
हृदय रक्त दौड़ाता है।
शोधक यंत्र हमारे गुर्दे
नियमित काम किया करते।
अच्छी चीजें रख लेते और
गंदा फेंक दिया करते।
खोजी यंत्र हमारी आंखें
देतीं दिमाग को हर संदेश।
कंप्यूटर दिमाग निर्णय लेता
देता है अंगों को आदेश।

जीके क्विज-143

1. किस वैज्ञानिक खोज की स्मृति में प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है?
2. किस भारतीय वैज्ञानिक ने सर्वप्रथम पता लगाया कि पेड़-पौधों में भी जीवन होता है?
3. भारत में परमाणु कार्यक्रम की शुरुआत का श्रेय किस वैज्ञानिक को जाता है?
4. किस भारतीय वैज्ञानिक को 'मिसाइल मैन' के नाम से जाना जाता है?
5. भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का मुख्यालय कहां स्थित है?
6. खगोलीय वेधशाला 'जंतर मंतर' का निर्माण किस शासक ने करवाया था?
7. भारत के 26वें मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में किसे नियुक्त किया गया है?
8. हाल ही में यूके में मानद नाइटहुड की उपाधि से किसे सम्मानित किया गया है?
9. किस भारतीय स्वाधीनता सेनानी को 'देशबंधु' के नाम से जाना जाता है?
10. 'वेदों की ओर लौटो' का नारा किसने दिया था?

बच्चों, जीके क्विज-143 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-142 का उत्तर : 1.विराट कोहली, 2.पंकज आडवाणी, 3.रेखा गुप्ता, 4.रोलेट एक्ट (1919), 5. 22 दिसंबर, 6.आर.के. नारायण, 7.विटामिन डी, 8.हाइड्रोजन, 9.नाइक्रोम, 10.आर्यभट्ट

जीके क्विज-142 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, रमेश-रायगढ़, रोहित-बिलासपुर, अंजना-बालोद, साकेत-दुर्ग, ज्योति-बलौदा बाजार, अंकित-रोहतक, अनिता-महासमुंद, दिव्या-महेंद्रगढ़, कशिश-भोपाल, अमन-रायपुर

अंतर बताओ

बच्चों, यहां लैब में एक्सपेरिमेंट कर रहे साइंटिस्ट के एक समान दिखने वाले दो चित्र दिए गए हैं। इन चित्रों में 7 अंतर हैं। तुम्हें पांच मिनट में ये सभी अंतर खोजकर बताने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट सारे अंतर बताओ।

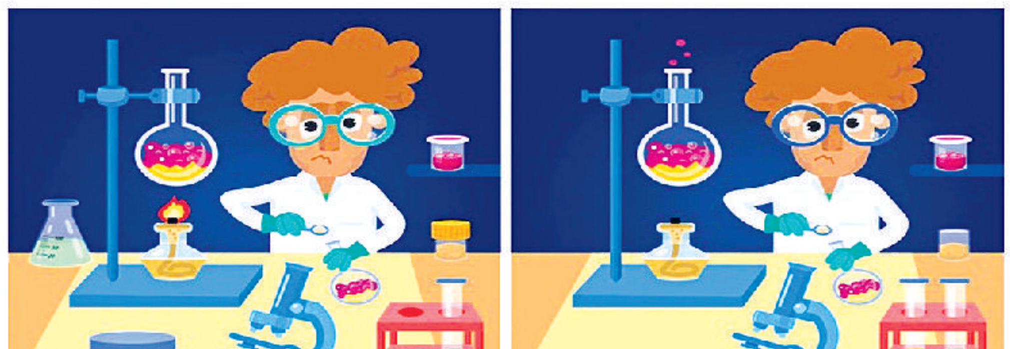

उत्तरः 1.पीछे बाईं तरफ रखा बीकर गायब है। 2.अल्कोहल बर्नर नहीं जल रहा है। 3.एर्लेनमेयर फ्लास्क के ऊपर बबल्स निकल रहे हैं। 4.आगे बाईं तरफ रखा जार गायब है। 5.आगे, दाहिनी तरफ टेस्ट-ट्यूब रैक पर एक के बजाय दो टेस्ट-ट्यूब्स रखे हैं। 6.दाहिनी तरफ रखे जार का ढक्कन खुला हुआ है। 7.साइंटिस्ट के चश्मे का फ्रेम डिफरेंट कलर का है।

ढूंढो तो जरा...

बच्चों, दिए गए चित्र में नीचे सोलर सिस्टम और स्पेस रिसर्च से रिलेटेड जुड़े कुछ टर्म्स दिए गए हैं। तुम ऊपर बॉक्सेज में से उन टर्म्स को ढूंढकर बताओ।

O	Y	J	U	A	X	I	K	H	N	S
I	S	H	U	T	T	L	E	C	A	P
W	R	N	G	R	X	B	A	Q	S	A
G	R	A	V	I	T	Y	S	H	A	C
A	T	M	O	S	P	H	E	R	E	E
Y	P	L	A	N	E	T	F	V	D	M
T	C	E	X	P	L	O	R	E	S	E
T	L	A	U	N	C	H	X	N	O	T
J	P	Y	M	C	A	P	S	U	L	E
N	C	Q	X	R	D	P	O	S	A	O
H	F	N	Y	Y	L	G	J	H	R	R

LAUNCH, VENUS, SHUTTLE, PLANET, CAPSULE, ATMOSPHERE, EXPLORE, NASA, GRAVITY, METEOR, SOLAR, SPACE

खबर संक्षेप

झज्जर। निक्षय शिविर में स्वास्थ्य जांच करातेे हुए लोग। फोटो: हरिभूमि

निक्षय शिविर में की 199 लोगों की स्वास्थ्य जांच

झज्जर। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे 100 दिवसीय निक्षय शिविर अभियान के अंतर्गत क्षेत्र के गांव झामरी एवं भट्टी गेट में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। दोनों स्थानों पर आयोजित शिविर के दौरान कुल 199 लोगों ने अपनी स्वास्थ्य जांच कराई। इस दौरान टीबी टीम द्वारा 60 लोगों के बलगम सैंपल भी लिए गए।

बहादुरगढ़। मंडल अध्यक्ष संजय सैनी को स्मृति चिह्न देते आयोजक।

कार्यक्रमों में शामिल हुए मंडल अध्यक्ष

बहादुरगढ़। गांव आसोदा में आयोजित विशाल भंडारे में भाजपा शहरी मंडल अध्यक्ष संजय सैनी ने भी शिरकत की। इस दौरान मंदिर कमेटी की तरफ से उनका स्वागत व सम्मान किया गया। इसके अलावा उन्होंने नया गांव स्थित शिव मंदिर में भी आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर आशु सैनी, धर्मेंद्र सैनी, संदीप सैनी व मोनू आदि उपस्थित रहे।

बैंक से धोखाधड़ी के दो आरोपी गिरफ्तार

धारूहेड़ा। पंजाब नेशनल बैंक के पास जमीन रहन रखने के बाद केसीसी लोन लेने व बाद में रहन जमीन बेचने के दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बैंक मैनेजर कृष्ण कुमार की शिकायत पर गत वर्ष 14 अगस्त को संतोष कॉलोनी में रहने वाले सतपाल व उसके भाई बिरेंद्र के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया था। मामले की जांच पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने की थी। इस मामले में पुलिस ने दोनों भाइयों को गिरफ्तार करने के बाद तफ्तीश में शामिल किया है।

मारपीट व धमकी देने का आरोपी काबू

धारूहेड़ा। पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने निगानियावास निवासी कुलानंद के बयान पर कई लोगों के खिलाफ मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज किया था। शादी समारोह में हुए विवाद के बाद परिवार पर हमला करने का आरोप लगाया गया था। पुलिस ने जांच के बाद इस मामले में गुरूग्राम के नानूकलां निवासी अंकुर को गिरफ्तार किया है। बाद में उसे पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

धमकी देने का आरोपी गिरफ्तार

धारूहेड़ा। पुलिस ने सेक्टर-6 थाना एरिया में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष के बयान पर 23 फरवरी को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पुलिस ने मामले की जांच करने के बाद राजस्थान के अलवर जिला के गांव सैदपुर निवासी नितिन दायमा को इस मामले में गिरफ्तार कर लिया। बाद में आरोपी को तफ्तीश में शामिल करते हुए पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

ऑफिस के बाहर से बाइक चोरी

कसोला। कसोला थाना क्षेत्र स्थित ऑफिस के बाहर से चोर बाइक चुरा ले गए। तैलागांव पांचुडाला जयपुर राजस्थान निवासी मोनू कुमार योगी ने कसोला थाना पुलिस को बताया कि उसने 23 फरवरी को सुबह करीब 8 बजे शिव एंटरप्राइजेज ऑफिस सेक्टर गांव चिरहाड़ा के सामने मोटर साइकिल खड़ी की थी। जब 26 फरवरी को आकर देखा तो बाइक चोरी हो चुकी थी। पुलिस ने अज्ञात पर बाइक चोरी का केस दर्ज कर लिया है।

सुराही बनाने में जुटे झज्जर के कारीगर, अभी से मिल रहे आर्डर

अपनी शीतलता के लिए देशभर में छाई झज्जर की झझरी

झज्जर। सुराही में लगने वाले पार्ट तैयार करते हुए कारीगर महाबीर व आर्डर पूरा करने के लिए तैयार की गई सुराहियां। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭झज्जर

देशभर में अपनी पहचान बना चुकी झज्जर की झझरी अर्थात सुराही अभी से शहर के कारीगरों द्वारा तैयार की जा रही है। मिट्टी के बर्तनों व शिल्पकला के अन्य उत्पादों में अपनी पहचान बना चुके झज्जर के छावनी मोहल्ले के कारीगर करीब एक पखवाड़े से सुराही तैयार करने में जुट चुके हैं।

सुराही के कारीगर महाबीर ने बताया कि दिन के समय होने वाली गर्मी के कारण जहां लोगों ने गर्म कपड़े पहनने कम कर दिए हैं वहीं आगामी दिनों में प्यास बुझाने के लिए उन्हें ठंडे पानी की जरुरत पड़ने वाली है। उनके पास अभी से जयपुर व पंजाब से दो गाड़ियों के आर्डर मिल चुके हैं। वे उसी आर्डर को तैयार करने में जुटे हैं। मौसम अभी उनके अनुकूल हैं इसलिए उनके द्वारा सुराही तैयार करने के कार्य को तीव्र गति से अंजाम दिया रहा है।

एक दिन में वे औसतन करीब पचास सुराही तैयार कर रहे हैं। इसके अलावा मायानगरी मुंबई, नासिक, पुणे, अहमदाबाद, भोपाल, जयपुर, आगरा आदि बड़े शहरों से भी सुराही के लिए आर्डर आते हैं। एक गाड़ी में करीब दो हजार सुराही आती हैं। महाबीर ने बताया कि उनके यहां वेद व राजू का परिवार भी सुराही के आर्डर तैयार करने में जुटा है। वे साठ और सत्तर रुपये की बिक्री वाली सुराही बना रहे हैं। होली पर्व के बाद सुराही का आर्डर डिलीवर किया जाएगा।

आरओ वाटर के चलते सुराही की डिमांड में आई कमी

यदि कारीगरों की माने तो सुराही की डिमांड में पिछले वर्षों की अपेक्षा कमी आई है। घरों में सप्लाई किए जाने वाले आरओ वाटर के चलते सुराही की मांग कम हो गई है। पानी के कैंपर घर-घर सप्लाई हो रहे हैं ऐसे में केवल बड़े बुजुर्ग ही प्राकृतिक रूप से ठंडा किया गया सुराही का पानी पीते हैं। छावनी मौहल्ला में सुराही, मटके व मिट्टी से निर्मित अन्य समान की दुकान लगाने वाली बुजुर्ग महिला शांति देवी ने बताया कि पहले उनका परिवार स्वयं सुराही व मटका निर्माण करता था लेकिन बदलते समय के अनुसार अधिकतर लोगों ने यह व्यवसाय छोड़ दिया। पुश्तैनी व्यवसाय होने के कारण अब वे बाहर से सामान लाकर यहां दुकान पर बेचती है।

चंद कारीगरों के पास रह गई है सुराही बनाने की कला

सुराही के कारीगर महाबीर ने बताया कि देश के विभिन्न राज्यों में अपनी ठंडक की धूम मचाने वाली सुराही की बिक्री अब बढ़ती महंगाई के चलते दम तोड़ने लगी है। पहले जहां अकेले छावनी मौहल्ला में सैंकड़ों परिवार माटी के व्यवसाय के सहारे चलते थे वहीं अब धीरे-धीरे सुराही बनाने की यह कला चंद कारीगरों के पास रह गई है। वर्तमान में हालात यह है कि अब इस मौहल्ले में मात्र तीन से चार कारीगर ही सुराही निर्माण में जुटे हैं। पहले मुबंई सहित महाराष्ट्र व एमपी से भी बड़ी संख्या में सुराही बनाने के आर्डर आते थे लेकिन किराया बढ़ने, गुणवत्ता वाली मिट्टी के दाम बढ़ने व बुरादा महंगा होने के कारण जहां लागत में इजाफा हो रहा है वहीं माल भाड़ा वहन करने के बाद जो कीमत बनती है उस कीमत पर ग्राहक सुराही खरीदने से परहेज करने लगे हैं।

झज्जर। भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते हुए श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

भंडारे में सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने किया प्रसाद ग्रहण

- गांव की महिलाएं पारंपरिक परिधानों में मंदिर पहुंची तथा वहां पूजा-अर्चना में भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭झज्जर

वीरवार को क्षेत्र के गांव खेड़ी खुम्मार स्थित प्राचीन शिव मंदिर में महंत ज्ञाननाथ महाराज की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में भंडारे का आयोजन किया गया। सुबह हवन कार्यक्रम के उपरांत शुरू हुए भंडारे में ग्रामवासियों सहित निकटवर्ती गांवों के श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भी प्रसाद ग्रहण किया। समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से आयोजित इस वार्षिक कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में मेले का आयोजन भी किया गया। गांव की महिलाएं पारंपरिक परिधानों में मंदिर पहुंची तथा वहां पूजा-अर्चना में भाग लिया। मेले के दौरान जहां महिलाएं सौंदर्य प्रसाधन की स्टॉलों पर खरीददारी करती नजर आई वहीं छोटे बच्चे वहां लगाए विभिन्न प्रकार के झूलों का आनंद लेते हुए दिखाई दिए। आयोजक समिति प्रधान सुभाष, समिति सदस्य रामदेव, मांगेराम व भगत जयभगवान ने बताया कि उनके यहां बाबा ज्ञाननाथ महाराज की मान्यता है। जो भी श्रद्धालु मंदिर परिसर में स्थापित बाबा ज्ञाननाथ की प्रतिमा के समक्ष सच्चे मन से मन्नत मांगता है उसकी मुराद अवश्य पूरी होती है। बाबा ज्ञाननाथ बाल्यावस्था में ही मंदिर की सेवा करने आए थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन इसी मंदिर में गुजारा। उनकी पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में ग्रामवासियों द्वारा प्रतिवर्ष भंडारे का आयोजन किया जाता है। इसके अलावा उनके गांव के लोगों की शहर के देवालय मंदिर में भी आस्था है।

छात्राओं को ध्यान क्रिया के महत्व से अवगत करवाया

हरिभूमि न्यूज ⏭झज्जर

झज्जर। छात्राओं को ध्यान क्रिया की जानकारी देते हुए मुख्य वक्ता। फोटो :हरिभूमि

महाराजा अग्रसेन महिला महाविद्यालय में आईक्यूएसी, शारीरिक शिक्षा तथा मनोविज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मेडिटेशन के माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक विकास विषय पर तीन दिवसीय मेडिटेशन वर्कशॉप की शुरूआत की गई।

हार्ट फुलनेस इंस्टीट्यूट द्वारा शुरू की गई यह वर्कशॉप एक मार्च तक चलेगी। वर्कशॉप की शुरुआत प्राचार्या डॉक्टर माधवी शर्मा, प्रमुख वक्ता सुशील दहिया तथा विक्रम सिंह सैनी ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके की। उन्होंने पहले दिन छात्राओं को ध्यान की क्रिया सिखाई तथा ध्यान के महत्व पर प्रकाश डाला।

प्राचार्या डॉक्टर माधवी शर्मा ने छात्राओं को योग सूत्र बारे जानकारी देते हुए कहा कि योग चित्त की वृत्तियों को खत्म करने का एक माध्यम है। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉक्टर तितिक्षा रोहिल्ला ने किया।

कार्यशाला में कंप्यूटर स्किल को लेकर किया अपेडट

हरिभूमि न्यूज ⏭बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। कार्यशाला में जानकारी ग्रहण करती छात्राएं। फोटो: हरिभूमि

वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय में मेंटोर सेल व कंप्यूटर साइंस डिपार्टमेंट द्वारा कंप्यूटर स्किल पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। छात्राएं स्वयं अपनी कंप्यूटर स्किल्स को बढ़ाकर अपना ईमेल आईडी बनाकर और प्रभावी पीपीटी प्रदर्शन करके अच्छी नौकरी व अच्छा भविष्य प्राप्त कर सकती हैं। प्राचार्या डॉ. राजवंती शर्मा ने बताया कि युवा वर्ग द्वारा प्रौद्योगिकी के तमाम अवसर बनाए गए हैं। कार्यशाला के माध्यम से अर्जित ज्ञान को छात्राएं सही दिशा देकर समाज व देश के विकास एवं नव निर्माण में अहम भूमिका निभा सकेंगी। वर्तमान में कंप्यूटर स्किल्स बेहद बन गए हैं। इस स्किल से आप अपने आप को अपडेट कर सकते हैं। मेंटोर सेल की प्रभारी डॉ. भारती मिश्रा ने बताया कि छात्राएं स्किल को प्रभावी तरीके से डेवलप करके अपने रोजगार पाने के अवसर बढ़ा सकती हैं। कंप्यूटर साइंस की विभागाध्यक्ष शिखा ने छात्राओं को पीपीटी प्रदर्शन में होने वाली समस्याओं के बारे में बताया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा प्रभावी रूप से अपने स्किल को प्रस्तुत करने के बारे में जानकारी दी। प्रीति ने बताया कि कई जॉब साइट पर आप पढ़ाई के साथ-साथ वर्क फ्रॉम होम भी कर सकते हैं। इसके माध्यम से अपनी स्किल्स को एक नया आयाम दे सकते हैं।

झज्जर। होनहार छात्राएं महाविद्यालय स्टॉफ सदस्यों के साथ। फोटो: हरिभूमि

वाणिज्य विभाग की छात्राओं ने नेट परीक्षा की उत्तीर्ण

झज्जर। राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग की छात्राओं सोनी, मीनाक्षी पुत्री प्रदीप और प्रीति पुत्री सुरेंद्र कुमार ने यूजीसी नेट की परीक्षा उत्तीर्ण की। इसके अलावा दो छात्राओं दीक्षा पुत्री कृष्ण कुमार और मोनिका पुत्री बलवान सिंह ने भी पीएचडी के लिए नेट क्वालीफाई किया। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर प्रभारी प्राचार्य डॉक्टर सुरेंद्र कुमार पूनिया एवं प्राध्यापक डॉक्टर राजेंद्र अरोड़ा ने डॉक्टर प्रियंका और वाणिज्य विभाग के सभी प्राध्यापकों को बधाई दी। विद्यार्थियों ने इस सफलता का श्रेय अपने अभिभावकों एवं अपने प्राध्यापकों को दिया।

नशामुक्ति व प्लास्टिक मुक्त भारत को लेकर निकाली जागरुकता रैली

- स्वयंसेवकों ने गांव के मथुरापुरी मंदिर में श्रमदान करते हुए मंदिर परिसर की साफ-सफाई की

हरिभूमि न्यूज ⏭झज्जर

झज्जर। जागरुकता रैली के दौरान गांव के मथुरापुरी मंदिर परिसर में मौजूद शिक्षक एवं स्वयंसेवक। फोटो: हरिभूमि

वीरवार को राजकीय महाविद्यालय मातनहेल में चलाए जा रहे सात दिवसीय एनएसएस शिविर के पांचवें दिन स्वयंसेवकों द्वारा नशामुक्ति एवं भारत को प्लास्टिक मुक्त करने को लेकर एक जागरुकता रैली निकाली गई। रैली के दौरान स्वयंसेवकों ने पर्यावरण को प्लास्टिक मुक्त रखने और इससे होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी के साथ लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरुक किया। स्वयंसेवकों ने गांव के मथुरापुरी मंदिर में श्रमदान करते हुए मंदिर परिसर की साफ-सफाई भी की। कार्यक्रम के अंत में खेलकूद प्रतियोगिता, सामूहिक चर्चा, प्रश्नोतरी एवं अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। इस मौके पर एनएसएस प्रभारी पिंकी रानी, एनएसएस संयोजक सोनू रानी, प्रविन्द्र ढिल्लों, सोमवीर सिंह सहित अन्य भी मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। लाइनपार में चंद्रशेखर आजाद अमर रहे के नारे लगाते बच्चे व अन्य।

आजाद चौक पर मनाया बलिदान दिवस

बहादुरगढ़। लाइनपार के आजाद चौक पर वीरवार को शहीद चंद्रशेखर आजाद का बलिदान दिवस मनाया गया। नागिरक मंच के सदस्यों ने आजाद जी की प्रतिमा को साफ किया और माल्यार्पण किया। स्कूली बच्चों सहित महिलाओं ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए आजाद को याद किया। राजवीर, रामकिशन व सरला ने आजादी आंदोलन में आजाद के जीवन संघर्ष पर अपने विचार रखे। उन्होंने बताया कि चंद्रशेखर आजाद हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिक एसोसिएशन के प्रमुख थे। उनका आंदोलन समझौताहीन धारा का प्रतीक था। उनके बलिदान के सालों बाद भी हमारे समाज में शोषण, जुल्म, अत्याचार, जातिवाद व सांप्रदायिक उन्माद कायम रहना दुर्भाग्यपूर्ण है।

साक्षात्कार कौशल की दी जानकारी

झज्जर। विद्यार्थियों को साक्षात्कार कौशल के बारे में बताते हुए प्राध्यापिका पुनीता मलिक। फोटो: हरिभूमि

- राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय में साक्षात्कार कौशल पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭झज्जर

राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय में रोजगार प्रकोष्ठ के तत्वावधान में साक्षात्कार कौशल पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। रोजगार प्रकोष्ठ प्रभारी डॉक्टर श्रीकृष्ण दूहन ने बताया कि इस विस्तार व्याख्यान में राजकीय महिला महाविद्यालय कुलाना की प्राध्यापिका पुनीता मलिक ने विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के साक्षात्कार कौशल के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान समय में नौकरी में अच्छे अवसर हासिल करने के लिए किसी भी विद्यार्थी में इन कौशल का होना अति आवश्यक है। उन्होंने बताया कि किस तरह हम इंटरव्यू की तैयारी कर सकते हैं और इंटरव्यू में अपनी सफलता की संभावना को बढ़ा सकते हैं।

करनाल के कर्ण स्टेडियम में चैंपियनशिप आयोजित

ऊंचीकूद में नंदिता ने जीता स्वर्ण पदक

हरिभूमि न्यूज ⏭झज्जर

झज्जर। होनहार खिलाड़ी नंदिता यादव।

करनाल के कर्ण स्टेडियम में 13वीं हरियाणा स्टेट यूथ एथलेटिक्स चैंपियनशिप आयोजित की गई। जिसमें एचडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साल्हावास की ग्यारहवीं कक्षा की छात्रा नंदिता यादव ने सबसे ऊंची कूद लगाकर स्वर्ण पदक प्राप्त किया है, जो विद्यालय, क्षेत्र व जिले के लिए गर्व की बात है। विद्यालय के एथलेटिक्स कोच रवींद्र कुमार ने बताया कि 26 फरवरी को आयोजित हरियाणा स्टेट यूथ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में विद्यालय की नंदिता सुपुत्री वेदप्रकाश ने अंडर-18 आयुवर्ग में 1.55 मीटर ऊंची कूद लगाकर पूरे हरियाणा प्रांत में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। अब यह छात्रा 10 से 12 मार्च को पटना में आयोजित नेशनल यूथ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हरियाणा राज्य का प्रतिनिधित्व करेगी। इससे पहले भी छात्रा नंदिता सीबीएसई क्लेस्टर से लेकर राज्य स्तरीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल प्राप्त कर चुकी है। छात्रा नंदिता के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर एचडी ग्रुप डायरेक्टर रमेश गुलिया ने बताया कि एक सामान्य किसान परिवार में जन्मी छात्रा नंदिता पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी जिले व राज्य का नाम रोशन कर रही है। उन्होंने कहा कि नंदिता का लक्ष्य ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतना है। नंदिता की इस शानदार उपलब्धि पर एचडी ग्रुप सचिव विशाल नेहरा एवं हेमंत गुलिया, प्राचार्य सतबीर सिंह ने बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सूचना

मैं, आजाद पुत्र श्री सरूप सिंह निवासी गांव बामनौली, तहसील बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा बयान करता हूं कि मेरा पुत्र सागर मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

योजना के लिए आवेदन का अंतिम दिन आज

झज्जर। डीसी प्रदीप दहिया ने बताया कि डॉक्टर बी आर अंबेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना के तहत 2024-25 के लिए ऑनलाइन आवेदन शुक्रवार तक लिए जाएंगे। योजना के तहत वे छात्र आवेदन कर सकते हैं जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय चार लाख रुपये से अधिक न हो। जिला कल्याण अधिकारी श्वेता शर्मा ने बताया कि अब तक 800 आवेदन अधूरे प्राप्त हुए हैं।

दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन चार से

झज्जर। डीसी प्रदीप दहिया ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आगामी चार व पांच मार्च को नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट में दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह सम्मेलन चुनाव प्रबंधन को और अधिक सशक्त, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन का उद्देश्य आधुनिक चुनाव प्रबंधन, आईटी संरचना, प्रभावी संचार और सोशल मीडिया आउटरीच जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श होगा है।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की वार्षिक परीक्षाएं शुरू

पहले दिन बारहवीं के अंग्रेजी के पेपर में सात नकलची दबोचे

29 मार्च तक चलेंगी दसवीं और बारहवीं की वार्षिक परीक्षाएं। इन परीक्षाओं का समय साढ़े बारह से साढ़े तीन बजे तक रहेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। ग्रामीण क्षेत्र में परीक्षा केंद्र बाहर खड़े युवा। फोटो : हरिभूमि

वीरवार से हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की वार्षिक परीक्षाओं की शुरूआत हो गई है। पहले दिन बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने अंग्रेजी विषय की परीक्षा दी। आगामी 29 मार्च तक चलने वाली इन परीक्षाओं का समय साढ़े बारह से साढ़े तीन बजे तक रहेगा।

दसवीं की परीक्षाओं की शुरूआत शुक्रवार से होगी। परीक्षा के चलते शहर के परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्वक माहौल रहा वहीं ग्रामीण क्षेत्र के कुछ परीक्षा केंद्रों पर नकल चलने की बात भी सामने आई। क्यूचन पेपर फ्लाइंग टीम सदस्यों द्वारा विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करते हुए सात नकलचियों को नकल करते हुए पकड़ा। राजकीय विद्यालय दूबलधन में छह केस तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जहाजगढ़ में एक परीक्षार्थी को नकल करते हुए पकड़कर केस बनाया गया। बता दें कि परीक्षाओं को शांतिपूर्वक व नकल रहित आयोजित कराने के चलते जिलाधीश प्रदीप दहिया ने जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के अंतर्गत धारा 163 लागू करने के आदेश जारी किए हैं। आदेशों के अनुसार परीक्षा केंद्रों की 200 मीटर परिधि में पाबंदियां रहेंगी। आदेशों के अनुसार जिले की सीमा में आने वाले सभी परीक्षा केंद्रों की 200 मीटर की परिधि में अधिक लोगों के एक स्थान पर एकत्रित होने पर पाबंदी रहेगी। परीक्षा केंद्रों की 200 मीटर की सीमा में आने वाली फोटोस्टेट की दुकानें परीक्षाओं के समय बंद रहेगी। आदेशों की अवहेलना करने पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी।

बहादुरगढ़। नारियल फोड़ कर गली निर्माण कार्य का शुभारंभ करते विधायक राजेश जून। फोटो : हरिभूमि

विधायक ने नारियल फोड़कर विकास कार्यों का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

विधायक राजेश जून द्वारा हलके में नई सड़कों व गलियों के निर्माण कार्य का शुभारंभ करने का सिलसिला निरंतर जारी है। वीरवार को उन्होंने लोहारहेड़ी में नारियल फोड़कर गली निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। ग्रामीणों ने स्वागत उपरांत उनका आभार जताया।

विधायक राजेश जून ने गली निर्माण कार्य का शुभारंभ करते हुए ठेकेदार को पूरी गुणवत्ता के साथ काम करने की हिदायत दी। ग्रामवासियों से मुखातिब होते हुए उन्होंने कहा कि लंबे समय से सुविधाओं के मामले में पिछड़े बहादुरगढ़ का विकास करवाने के लिए वे सतत प्रयास कर रहे हैं। जनता द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी व निष्ठा से निभा रहे हैं। अपने कार्यकाल में ग्रेटर बहादुरगढ़ बनाने का सपना साकार करेंगे। यही कारण है कि वे हलके में रोजाना कहीं ना कहीं गली या सड़क के निर्माण कार्य का शुभारंभ कर रहे हैं। इस अवसर पर युवराज छिल्लर, नरेश छिकारा, प्रदीप तहलान, जयभगवान, राजेंद्र, विक्रम समेत अन्य ग्रामवासी मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। चंद्रशेखर आजार के चित्र पर पुष्प अर्पित करते समिति सदस्य।

गुभाना में मनाई आजाद की पुण्यतिथि

बहादुरगढ़। गुभाना गांव के लोकहित पुस्तकालय में महान क्रांतिकारी शहीद चंद्रशेखर आजाद की पुण्यतिथि मनाई गई। समिति अध्यक्ष नरेश कौशिक ने उनके जीवन पर प्रकाश डाला। इस दौरान जय भगवान, रामकुमार, राकेश कुमार, राहुल, सचिन, हार्दिक, कार्तिक, फूल कुमार व अमन समिति आदि ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

वैश्य बीएड कॉलेज में श्रद्धांजलि सभा

बहादुरगढ़। चंद्रशेखर आजाद को श्रद्धासुमन अर्पित करती प्राचार्या व अन्य।

बहादुरगढ़। वीरवार को वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय में महान स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। प्राचार्या डॉ आशा शर्मा व स्टाफ सदस्यों ने उनके चित्र पर श्रद्धा-सुमन अर्पित कर नमन किया। उन्होंने बताया कि चंद्रशेखर आजाद भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक थे। उनके जीवन से हमें निडरता, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा मिलती है। दो मिनट का मौन रखकर सभी ने अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद को श्रद्धांजलि अर्पित की।

छाए रहे बादल, चली ठंडी हवाएं, किसान परेशान

झज्जर। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार वीरवार दिन की शुरूआत हल्की बूंदाबांदी के साथ हुई। बाद में दिनभर आसमान में बादल छाए रहे और ठंडी हवाएं चलती रही। जिसके कारण मौसम में ठंडक घुल गई और तापमान में भी गिरावट आई। वीरवार को अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विशेषज्ञ आगामी दिनों में भी मौसम परिवर्तनशील रहने का अनुमान लगा रहे है। उधर, मौसम में हुए बदलाव के कारण किसान परेशान दिखाई दिए। किसानों का कहना है कि अभी भी बारिश से किसानों को कोई नुकसान नहीं है। यदि बारिश के साथ तेज हवाएं और ओलावृष्टि होती है तो किसानों को काफी नुकसान होगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

रॉयल ग्रीन काउंटी में विला बनकर तैयार

कॉर्टयार्ड-40 के रूप में आधुनिक शॉपिंग डैस्टिनेशन किया जाएगा लॉन्च

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

सेक्टर-40 में स्थित रॉयल ग्रीन काउंटी में आधुनिक इंडिपेंडैंट विला बनकर तैयार हो चुके हैं। बेहतर गुणवत्ता के साथ बनाए विला में एक परिवार के लिए सभी सुविधाओं का ख्याल रखा गया है। अब जल्द ही रॉयल ग्रीन काउंटी में कॉर्टयार्ड-40 के रूप में आधुनिक शॉपिंग डैस्टिनेशन यानि कमर्शियल स्पेस लॉन्च किया जाएगा।

रॉयल ग्रीन रियलटी के एमडी यशांक वासन ने बताया कि कंपनी अपने वायदों पर खरी उतर रही है। विभिन्न खासियत के चलते रॉयल ग्रीन काउंटी को इंटिग्रेटिड टाउनशिप ऑफ द ईयर का अवार्ड भी मिल चुका है। लोगों को आधुनिक लाइफस्टाइल देने का वायदा पूरा करते हुए पहले चरण में प्लॉट और विला उपलब्ध करवाए गए थे। इसके तहत आधुनिक विला बनकर तैयार हो गए हैं, जल्द ही लोगों को रहने के लिए ये उपलब्ध करवा दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि काउंटी की चौड़ी सड़कों को यूनिक नाम दिए गए हैं। काउंटी में बहादुरगढ़ के सबसे बड़े क्लब का निर्माण भी शुरू हो गया है। इस क्लब में स्वीमिंग पूल, रेस्टोरेंट के साथ इंडोर और आउटडोर खेल सुविधाएं भी दी जाएंगी। ओपन जिम, झूले और चाईल्ड कॉर्नर के साथ आधुनिक हरित पार्क का निर्माण भी किया गया है। रॉयल ग्रीन काउंटी में सलैक्ट नाम से दूसरा फेज भी सफल रहा। कंपनी के डायरेक्टर वरूण मखीजा ने बताया कि रॉयल ग्रीन रियलटी द्वारा लोगों को स्वच्छ, शांत और हरित वातावरण के बीच आधुनिक सुख सुविधाओं से युक्त घर दिया जा रहा है।

पोलिंग पार्टियों को समझाई ईवीएम की बारीकियां

- ईवीएम मास्टर ट्रेनरों ने सभी पोलिंग पार्टियों को उनके प्रत्येक कार्य और जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

झज्जर। पीओ और एपीओ को संबोधित करते अधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

आगामी दो मार्च को नपा आम चुनाव में मतदान प्रक्रिया संपन्न करवाने के लिए वीरवार को बेरी लघु सचिवालय में पोलिंग पार्टियों की दूसरी रिहर्सल में ईवीएम की बारीकियां समझाई गईं। इस दौरान ईवीएम मास्टर ट्रेनरों ने सभी पोलिंग पार्टियों को उनके प्रत्येक कार्य और जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

नपा चुनाव के लिए नियुक्त पर्यवेक्षक एचसीएस डॉक्टर सतेंद्र दुहन ने कहा कि पोलिंग पार्टियां जरा सी भी चूक न करें, सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी की गंभीरता को समझें। उन्होंने कहा कि पीओ हैंडबुक में वे सारी हिदायतें व नियम लिखे हैं जिनकी जानकारी चुनाव करवाने वाले अधिकारी को होनी जरूरी है।

वहीं मास्टर ट्रेनर संदीप कुमार, कमलजीत सिंह, संदीप रोहिल्ला व मंजीत सिंह ने अधिकारियों को ईवीएम हैंडलिंग प्रक्रिया से अवगत कराया। प्रशिक्षण के दौरान चुनाव में अपनाए जाने वाले सभी तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी गई।

रिटायर्ड कर्मचारियों संघ से मिलकर की भविष्य की रणनीति पर चर्चा

झज्जर। रिटायर्ड कर्मचारी संघ की झज्जर इकाई द्वारा समस्या पहचान तथा सदस्यता अभियान के अंतर्गत वीरवार को शहर के मॉडल टाउन व किला कालोनी का दौरा किया गया। खंड प्रधान रमेश जाखड़ ने बताया कि देश और प्रदेश के विकास में जिन सेवानिवृत्त कर्मचारियों का मूल योगदान है उन सेवानिवृत्ति कर्मचारियों से घर-घर जाकर मुलाकात की गई। उनके अनुभव के आधार पर भविष्य की रणनीति पर चर्चा की गई। कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में कैशलेस मेडिकल सुविधा, कार्मिक पेंशन वृद्धि जिसमें 65 से 80 वर्ष तक की आयु में हर पांच वर्ष के अंतराल पर पांच प्रतिशत की वृद्धि की जाए, बस, रेलवे व हवाई यात्रा में वरिष्ठ नागरिकों को उचित सुविधा मिले, हर कार्यालय में उनके लिए अलग से व्यवस्था हो, वरिष्ठ नागरिकों को कुछ मूलभूत सेवाएं सरकार उनके द्वार पर ही उपलब्ध कराना आदि शामिल है। अभियान कार्यक्रम में जिला कोषाध्यक्ष विष्णु जांगड़ा, सचिव राजबीर राहड़, कोषाध्यक्ष दिलीप रावत और सह सचिव धर्मवीर राहड़ सहित अन्य भी मौजूद रहे।

झज्जर। समस्या पहचान व सदस्यता अभियान में संपर्क करते हुए संघ के सदस्य।

झज्जर। बाबा कांशीगिरी मंदिर में भगवान शिव की पूजा करते हुए श्रद्धालु।

बाबा कांशीगिरी मंदिर में श्रद्धालुओं ने की भगवान शिव की आराधना, मांगी मन्नतें

झज्जर। बुधवार रात्रि बाबा कांशीगिरी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। मंदिर के पुजारी पंडित पवन कौशिक ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विधिवत रूप से भगवान शिव का अभिषेक कराया। इस अवसर पर यज्ञमान सुनील जांगड़ा ने विशेष रूप से अनुष्ठान में भक्ति भाव से भगवान शिव की आराधना कर घर-परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। उन्होंने शिवलिंग पर गंगाजल, दूध, दही, शहद, बेलपत्र और धतूरा से भगवान शिव का अभिषेक किया। पंडित पवन कौशिक ने कहा कि महाशिवरात्रि के दिन रुद्राभिषेक करने का विशेष महत्व है। महाशिवरात्रि के दिन जो लोग रुद्राभिषेक करते है, भगवान महादेव प्रसन्न होते हैं। रुद्राभिषेक भगवान शिव के अभिषेक का एक अत्यंत पवित्र और शक्तिशाली वैदिक अनुष्ठान है। महाशिवरात्रि पर भगवान भोलेनाथ की चार प्रहर में पूजा-अर्चना करने का विधान है। महाशिवरात्रि का पर्व भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह के रूप में मनाया जाता है।

भाजपा नेता दिनेश कौशिक का ग्रामीणों ने कार्यालय पहुंचकर जताया का जताया आभार

बहादुरगढ़। गांव लोहारहेड़ी के ग्रामीण सरपंच के नेतृत्व में वीरवार को भाजपा नेता दिनेश कौशिक सेवामूर्ति के कार्यालय पर पहुंचे। दिनेश कौशिक ने उन्हें बताया कि ग्रामीणों की मांग के अनुसार उन्होंने गांव लोहारहेड़ी में विकास कार्यों को लेकर कई एस्टीमेट बनवाकर सरकार को भिजवाए हैं। इस पर ग्रामीणों ने उनका आभार जताया। भाजपा नेता दिनेश कौशिक ने बताया कि ग्रामीणों की सभी समस्याओं के समाधान को लेकर हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं। भाजपा गांवों में शहरी तर्ज पर विकास करवाने को लेकर कृतसंकल्प हैं। उन्होंने बताया कि गांव में कई रास्तों के निर्माण व गंदे पानी की निकासी के लिए एस्टीमेट तैयार करवाए गए हैं। जल्द ही इन कामों की मंजूरी मिल जाएगी। जिसके बाद गांव में विकास कार्य रफ्तार पकड़ेंगे। इस अवसर पर पूर्व सरपंच सुरेंद्र, रणबीर सिंह, हवा सिंह, कर्मबीर, सुरेंद्र, देवेंद्र, दयानंद, रामफल, सतपाल, रोनक, सुरजीत, महेंद्र सिंह, कप्तान व जगबीर सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। दिनेश कौशिक का आभार जताते लोहारहेड़ी के ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

डीघल में कुश्ती दंगल, पहलवानों ने लगाए दांव-पेंच

नशा मुक्ति हरियाणा की मुहिम में करें सहयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। दंगल के दौरान पहलवानों के हाथ मिलवाते हुए डीसीपी लोगेश कुमार। फोटो : हरिभूमि

क्षेत्र के गांव डीघल में कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया। जिसमें डीसीपी लोगेश कुमार ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। गांव में पहुंचने पर ग्राम सरपंच और मौजिज लोगों ने पगड़ी बांधकर उनका स्वागत किया। इस दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए डीसीपी लोगेश कुमार ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के लिए एक मुहिम चलाई गई है। इसी मुहिम के तहत जिला पुलिस द्वारा निरंतर आमजन को नशे के दुष्प्रभाव के बारे में जागरूक किया जा रहा है। प्रत्येक पुलिस कर्मचारी सेवा सुरक्षा सहयोग के नारे को साथ लेकर युवा वर्ग को नशे से बचकर सामाजिक सामंजस्य बनाने में लगा हुआ है। इसलिए जिम्मेदार नागरिक होने के नाते आपकी भी यह जिम्मेवारी बनती है कि नशा मुक्ति हरियाणा के इस प्रोग्राम को सफल बनाने के लिए आप भी सहयोग करें। उन्होंने कहा कि खेलकूद के ऐसे कार्यक्रम ग्रामीण स्तर पर होते रहने चाहिए। इससे युवाओं में खेल के प्रति उत्साह बढ़ता है और उनका ध्यान नशीले पदार्थों की तरफ नहीं जाता। उन्होंने कहा कि प्रत्येक माता-पिता की भी जिम्मेवारी बनती है कि वह अपने बच्चों पर विशेष ध्यान रखें और उन्हें खेलकूद और पढ़ाई की तरफ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

झज्जर। हर घर-हर गृहिणी योजना के तहत रजिस्ट्रेशन करते हुए कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

हर घर-हर गृहिणी योजना के पचास प्रतिशत लाभार्थियों का पंजीकरण

झज्जर। हर घर-हर गृहिणी योजना के तहत लाभार्थियों के पंजीकरण का कार्य जिले में मिशन मोड में जारी है। पूरे प्रदेश में जिला प्रथम स्थान पर चल रहा है व करीब पचास प्रतिशत लाभार्थियों का पंजीकरण किया जा चुका है। गांवों में शहर में विशेष कैंप लगाकर रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है। डीएफएससी अशोक शर्मा ने कहा कि योजना के तहत अभी तक पचास प्रतिशत लाभार्थियों का पंजीकरण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि वे स्वयं फील्ड में आयोजित हो रहे कैंपों का दौरा कर रहे हैं और प्रक्रिया की मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्होंने बताया कि जिले में शुक्रवार को दादरी तोय, डावला, वार्ड 15, महराणा, सिलानी केशो, खेड़ीआसरा, मातन, रेवाड़ी खेड़ा, लुहारहेड़ी, कानौंदा, जहाजगढ़, दिमाना, गांव झांसवा, कोयलपुर, ढाकला, बिठला, गांव फैजबाद, पाहसौर के राशन डिपो पर कैंप का आयोजन किया जाएगा।